[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible] ॥ ॥ [illegible] ॥ ॥ भविष्य
[illegible] भवति [illegible]
[illegible]
[illegible] ॥ ॥ ॥
[illegible] ॥ भविष्य [illegible]
[illegible] ॥ ॥
[illegible] ॥ ॥ [illegible]
[illegible] ॥ ॥
[illegible] ॥ ॥ भविष्य [illegible] भविष्य [illegible]
[illegible] भवति [illegible]

स्वयंत्वकमाप्नोति यावन्मरणियुक्तः ॥ ॥ पत्रूर्णाविम
[illegible] ॥ ॥ ठवि श्रूडीति विवक्षमा [illegible]
[illegible] भवति [illegible]
[illegible]
[illegible] ॥ ॥ [illegible] ॥ ॥ [illegible]
[illegible] भवति [illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible] ॥ ॥ ठवे ॥
[illegible] भवति [illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible] ॥ ॥
[illegible] ॥ [illegible]
[illegible] भवति [illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

वे[illegible]कर्तरि च कारके इत्ययमधिकारो वर्तते ॥ ॥ परिमा
णाख्यायां सर्वेभ्यः ॥ ॥ परिमाणाख्यायां गम्यमानायां सर्वे
भ्यः धातुभ्यो घञ्प्रत्ययो भवति, एकस्तण्डुलनिश्चायः द्वौ शूर्प
निष्पावौ [illegible] द्वौ कारौ त्रयः काराः सञ्चयादीनामपि परिमाण
[illegible] पुंसि संज्ञायां [illegible] मेव बाधते परि
माणाख्यायामिति किम् निश्चयः [illegible]
[illegible]
[illegible] एकतिलोच्छ्रितिः [illegible]
[illegible] इति [illegible] ॥ ॥
इङश्च ॥ इङो धातोर्घञ्प्रत्ययो भवति, अध्यायः अ
ध्यायः अपादाने स्त्रियामुपसंख्यानम् तदन्ताच्च वा ङी
प् उपाध्यायी उपाध्याया, शृवायुवर्णनिवृतेषु [illegible]
[illegible] ॥ ॥ उपसर्गे रुवः ॥ ॥ उपसर्गे
उपपदे रु इत्येतस्माद्धातोर्घञ्प्रत्ययो भवति [illegible] सं
रावः उपरावः उपसर्ग इति किम् रवः ॥ ॥
समि युद्रुदुवः ॥ ॥ सम्युपपदे युद्रुदु इत्येते
भ्यो धातुभ्यो घञ्प्रत्ययो भवति [illegible] संयावः संद्रा
वः संदावः समीति किम् यवः द्रवः दवः ॥
श्रिणीभुवोऽनुपसर्गे ॥ श्रिणीभू इत्येतेभ्यो धातुभ्योऽनुप
सर्गेभ्यो घञ्प्रत्ययो भवति, श्रायः नायः भावः अनुप
सर्ग इति किम् प्रश्रयः प्रणयः प्रभवः कथं प्रभावो
राज्ञः प्रकृष्टो भाव इति प्रादिसमासः कथं वि
[illegible] इति विभाषा [illegible] ॥
वौ क्षुश्रुवः ॥ ॥ व्युपपदे क्षुश्रु इत्येताभ्यां धातु
भ्यां घञ्प्रत्ययो भवति, विक्षावः विश्रावः वाविति कि

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

गतः ॥ ॥ श्वभ्रेयत्त ॥ ॥ भ्रूयत्तेहः प्रत्ययः स्त्रियाम्भक
र्त्तरि इत्येव भवति [illegible] ॥

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

.0.70

[illegible]

[illegible]

𑆎𑆀 𑆯𑇀𑆫𑆵𑆓𑆟𑆼𑆯𑆳𑆪 𑆤𑆩𑆂

[illegible]

[illegible]

श्री.
क.म.
उ.
ब.
33.

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

मी.

कृ.म.

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]